नूह अऊ अबड़ आंधी

इ कथा हर भगवान के बचन के द्वारा एक ठी बाईबिल

पाए जाथे।

उत्पत्ति ६-१०

"आप मन कर बानी हर एला अंजोर देथे।"
भजन संहिता ११९ : १३०

लिखे गए हवे। Edward Hughes
उत्साह बढ़ै गए हवे। Byron Unger; Lazarus

अनुवाद करे गए हवे। मधुलिका महतो
चयन करे गए हवे। M. Maillot; Tammy S.

कथा ३ ले ६०

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

लाईसेंस : आप मन करा इ कथा ल छापे बर अऊ नकल करे के अधिकार
तभे तक हे जब तक आप मन एला बेचिहा नाही।

भगवान ला पता हे कि हमन गलत काम
करे हन जेन ला ओहर पाप कहिथे। पाप के सजा मौत हावे।

भगवान हमन ले बहुत प्यार करथे, ओहर अपन बेटा ईशु मसीह ला क्रूश में
मरे बर अऊ हमर पाप के सजा ला पाये बर भेजीस। ईशु मसीह हा फेर
जिंदा होगिस अऊ स्वर्ग वापस चल दिस ! अब भगवान हर हामन के पाप
बर माफ कर सकथ हे।

अगर आप मन अपन पाप ले मुख ला मोड़े बर चाहत हव ता भगवान ले ये
कहव : हे भगवान! मैं विश्वास करथव कि ईशु मसीह हा मोर बर मरीस
हावे अऊ अब ओहर फेर ले जीवित हावे। दया करके मोर जिंदगी मा आवव
अऊ मोर पाप ला क्षमा करव। ताकि मैं हर अभी नांवा जिंदगी ला पा
सकंव, अऊ आप मन के संग मा हमेशा बर रह सकंव। आपके बेटा बनके
आप बर जिये सकंव।

बाइबल ला पढ़व अऊ भगवान से रोज बात करव !

Chhattisgarhi

भगवान हर नूह ला चेताइस कि एक अड़बड़ अऊ बिशाल बाढ़ आही। अऊ जमो धरती ला अपन मां समा लिही।
3

त तेहर एक लखरी के डोंगा ला बना एक बड़खा जहाज जा मे तोर पूरा परिवार अऊ सबै जानवर मन आ सके।नूह ला कहे गइस। भगवान हर नूह ला सही सुझाव ला देत हावे नूह हर मगन हो गे।
4

जैसे ही मइनखे मन ला पता लागिस कि नूह हर बड़खा डोगी ला काबर बनावथे मनखे मन ओला
ताना बोंली मारे ला शुरू करीन।
5

फेर भी नूह हर बनाए मा लागे रहिस। ओहर मनखे मन ला भगवान के बारे म बताए म लगे रहिस। तभौ
भी कोनो मन बात ला नी सुनीन।
6

नूह ला अबड़ विश्वास रहिस। ओहर भगवान उपर अबड़ विश्वास करीस एकर बाद भी कभौ एतिकी बरसा नहीं होय रहिस। ओह झट के डोगी म हर सामान मन ला लादे बर तियार होगिस।
7

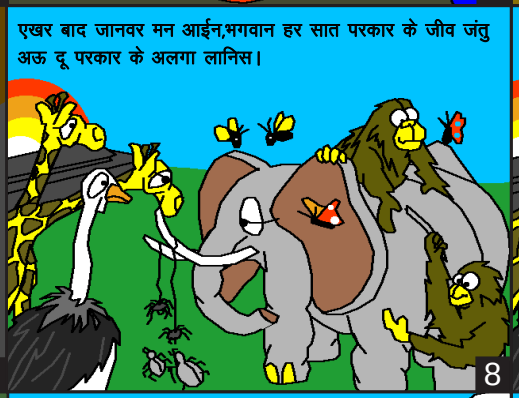
एखर बाद जानवर मन आईन,भगवान हर सात परकार के जीव जंतु अऊ दू परकार के अलगा लानिस।
8

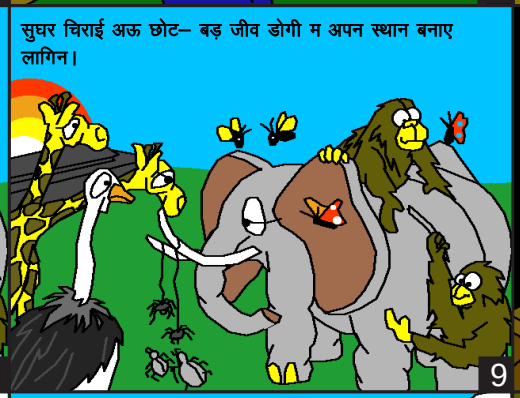
सुघर विराई अऊ छोट– बड़ जीव डोगी म अपन स्थान बनाए लागिन।
9

तभे भी मनखे मन नूह के उपर चिल्लाईन ओखर अपमान करिन। काबर कि ओहर जानवार मन ला भी भरत रहिस।
10

ओमन भगवान के विरूद्व म पाप करे ला नी छोड़िन। ओमन डोगी के भीतर मा घुसे बर पूछिन भी नाहि।
11

एखर बाद सभो जीव जंतु मन डोंगा के भीतरी मां समा गीन। "डोगा के भीतरी मा आवो" भगवान हर नूह ला नेवता दिस।
12

तेहर अऊ तोर परिवार नूह अऊ ओखर स्त्री अऊ ओखर लइका मन डोंगा म घुसर गिन। फेर भगवार हर फैरका ला बंद कर दिस।
13

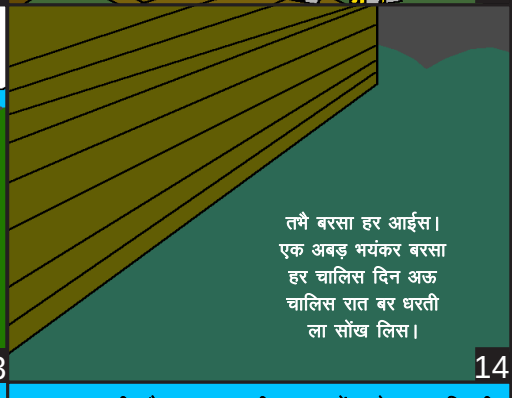
तभै बरसा हर आईस। एक अबड़ भयंकर बरसा हर चालिस दिन अऊ चालिस रात बर धरती ला सोंख लिस।
14

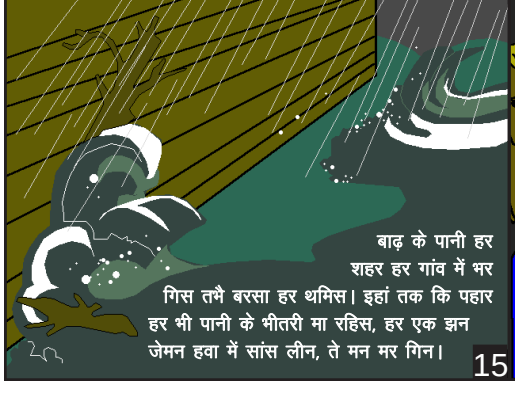
बाढ़ के पानी हर शहर हर गांव में भर गिस तभै बरसा हर थमिस। इहां तक कि पहार हर भी पानी के भीतरी मा रहिस, हर एक झन जेमन हवा में सांस लीन, ते मन मर गिन।
15

जइसे पानी हर बाढ़िस डोंगा हर पानी के उपर तैरत रहिस। भले ही डोंगा के भीतरी मा अधियार रहिस होही, उबर–खाबर अऊ डरावना रहिस, तहू लें डोंगा हर नूह के जान बचाइस अऊ आसरा दिस।
16

पांच महीना के अबड़ बाढ़ के बाद भगवान हर सूखा पवन ला भेजिस, धीरे–धीरे डोंगा हर अरारात के पहाड़ मा जाकर रूकिस अऊ माढ़ गिस। नूह हर डोंगा के भीतरी अगले ४० दिन तक रहिस, जबो तक पानी के चढ़ाव हर कम नीं होइस।
17

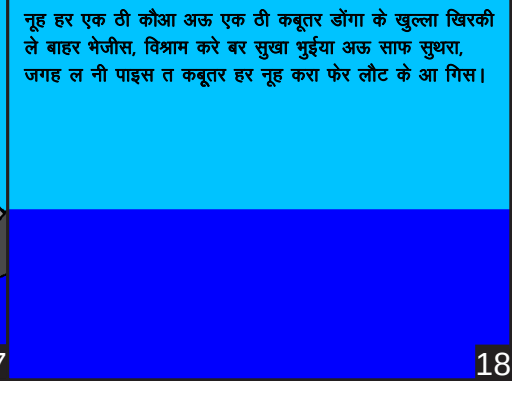
नूह हर एक ठी कौआ अऊ एक ठी कबूतर डोंगा के खुल्ला खिरकी ले बाहर भेजीस, विश्राम करे बर सुखा भुईया अऊ साफ सुथरा, जगह ल नी पाइस त कबूतर हर नूह करा फेर लौट के आ गिस।
18